

## मिस्र के फिरौन को पैगाम

तौरत : हिजरत 3:1-22

मूसा<sup>(अ.स)</sup> अपने ससुर, जनाब रुएल, की भेड़ों की देखभाल करते थे। एक दिन वो भेड़ों को जंगल में ले कर गए और एक पहाड़ पर पहुंचे जिसका नाम सीना था।<sup>(1)</sup> उस पहाड़ पर अल्लाह ताअला का एक फरिश्ता, जगमगाती हुई आग की तरह नाज़िल हुआ। मूसा<sup>(अ.स)</sup> ने झाड़ी में आग को देखा लेकिन वो जल नहीं रही थी।<sup>(2)</sup> मूसा<sup>(अ.स)</sup> ने सोचा, “मैं वहाँ जा कर देखता हूँ कि वो झाड़ी जल क्यों नहीं रही है?”<sup>(3)</sup>

जब अल्लाह ताअला ने मूसा<sup>(अ.स)</sup> को झाड़ी की तरफ जाते हुए देखा तो मूसा<sup>(अ.स)</sup> को पुकारा, “मूसा! मूसा!” और उन्होंने जवाब दिया, “जी मैं हाज़िर हूँ।”<sup>(4)</sup> तब अल्लाह ताअला ने कहा, “पास मत आओ अपनी चप्पलें उतारो, क्योंकि जिस जगह तुम खड़े हो वो एक पाक जगह है।”<sup>(5)</sup> तब अल्लाह ताअला ने कहा, “मैं तुम्हारा रब हूँ जिसकी इबादत तुम्हारे बुजुर्गों ने भी करी है, इब्राहीम से ले कर इस्हाक और याकूब ने भी। मूसा<sup>(अ.स)</sup> ने अपना मुँह ढक लिया क्योंकि उनको डर था कि कहीं उनकी नज़र अल्लाह ताअला पर ना पड़ जाए।<sup>(6)</sup> तब अल्लाह ताअला ने कहा, “मैंने अपने लोगों की तकलीफ देखी है जो मिस्र में हैं। मैंने उन्हें चीखते और चिल्लाते सुना है। सच में मैं उनकी तकलीफों को जानता हूँ<sup>(7)</sup> और मैं उन्हें मिस्रियों से निजात दिलाऊँगा। मैं उनको ऐसे मुल्क में ले कर जाऊँगा जो बहुत बड़ा है और जिसकी ज़मीन बहुत बेहतरीन है और उस ज़मीन पर जहाँ दूध और शहद की भरमार है। उस ज़मीन पर कि जिस जगह और भी दूसरे खानदान के लोग रहते हैं, जो कन्नानी, हिती, अमूरी, फरिज्जी, हिवी, और याबूसी लोग हैं।<sup>(8)</sup> मैंने याकूब के खानदान वालों की फरियाद सुनी और मैं देख रहा हूँ कि मिस्री लोग उन पर कितना जुल्म कर रहे हैं।<sup>(9)</sup> इसलिए मैं तुम्हें फिरौन के पास भेज रहा हूँ ताकि, तुम मेरे लोगों को मिस्र से बाहर निकाल लाओ।”<sup>(10)</sup>

मूसा<sup>(अ.स)</sup> ने अल्लाह ताअला से कहा, “मैं कौन हूँ जो फिरौन के पास जाऊँ और इब्रानी लोगों को मिस्र से बाहर निकालूँ?”<sup>(11)</sup> अल्लाह ताअला ने जवाब दिया, “बेशक मैं तुम्हारे साथ रहूँगा, जब तुम उन सबको मिस्र से बाहर निकाल लाओ तो तुम सब इसी पहाड़ पर मेरी इबादत करना। ये इस बात की निशानी होगी कि मैंने खुद तुम्हें भेजा है।”<sup>(12)</sup> मूसा<sup>(अ.स)</sup> ने अल्लाह ताअला से कहा, “जब मैं इब्रानियों से कहूँगा कि तुम्हारे बाप-दादा के रब ने मुझे भेजा है जिसकी वो इबादत करते थे, तो वो अगर मुझ से पूछेंगे कि उसका नाम क्या है तो मैं क्या कहूँगा?”<sup>(13)</sup> अल्लाह ताअला ने मूसा<sup>(अ.स)</sup> से कहा, “मैं एक ही हूँ ‘जो हूँ’ और तुम इब्रानियों से यही कहना कि उसी एक ने मुझे भेजा है।”<sup>(14)</sup> अल्लाह ताअला ने मूसा<sup>(अ.स)</sup> से कहा, “तुम इब्रानियों से ये कहना, ‘अल्लाह ताअला, जिसकी इबादत तुम्हारे पुरखे करते थे, जिसकी इबादत इब्राहीम, इस्हाक, और याकूब भी करते थे, उसी ने मुझे भेजा है। यही उसका नाम है और आने वाली नस्लें भी उसे इसी नाम से ही पुकारेंगी।”<sup>(15)</sup>

“जाओ और इब्रानी रहनुमओं को जमा कर के कहो, ‘अल्लाह रबुल अज़ीम ने, जिसकी इबादत तुम्हारे पुरखे करते थे, जिसकी इबादत इब्राहीम, इस्हाक, और याकूब भी करते थे, उस ने मुझसे बात करी है और कहा, ‘मैं तुम लोगों की देखभाल करता हूँ और मैं जानता हूँ कि तुम लोगों के साथ मिस्र में क्या हो रहा है।’<sup>(16)</sup> मैं तुम लोगों को इस मुसीबत से बाहर निकालूँगा और उस जगह ले कर जाऊँगा जहाँ कन्नानी, हिती, अमूरी, फरिज्जी, हिवी, और याबूसी लोग रहते हैं। उस ज़मीन पर शहद और दूध की कमी नहीं है।”<sup>(17)</sup>

“मूसा, मैं तुमसे कहता हूँ कि इब्रानी रहनुमा तुम्हारी बात सुनेंगे, तब तुम उन लोगों के साथ फिरौन के पास जाना और कहना, ‘अल्लाह ताअला जिसकी इबादत इब्रानी करते हैं उसने हमसे बात करी है, इसलिए आपसे गुज़ारिश है कि आप हमें जंगल में तीन दिन का सफ़र करने की इजाज़त दें ताकि हम उसकी इबादत करें और कुर्बानी पेश करें।’<sup>(18)</sup> मैं जानता हूँ कि मिस्र का बादशाह तुमको जाने नहीं देगा जब तक उसको एक बड़ी ताक़त के ज़रिये से मजबूर ना किया जाए।<sup>(19)</sup> तो मैं मिस्र के खिलाफ़ ताक़त दिखाऊँगा और उनके बीच में हैरान कर देने वाले करिश्मे करूँगा और उसके बाद फिरौन तुमको जाने देगा।<sup>(20)</sup> मैं तुम्हारे लोगों पर इतना करम करूँगा कि मिस्री लोग तुम्हारे लोगों पर करम करेंगे और तुम में से कोई भी खाली हाथ नहीं आएगा।<sup>(21)</sup> हर इब्रानी औरत अपने पड़ोसी घर की औरत से सोने और चाँदी की चीज़ें और कपड़े लेगी और वो तुम अपने बेटों और बेटियों को दे देना। इस तरह तुम लोग मिस्रियों की दौलत को भी अपने साथ ले आओगे।”<sup>(22)</sup>